# लोक और जनजातीय कला की असामयिक परंपरा पर व्याख्यान

Ranchi News - रांची | इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, क्षेत्रीय केंद्र रांची, रांची विश्वविद्यालय तथा केन्द्रीय...

Bhaskar News Network | Aug 15, 2019, 07:00 AM IST

रांची | इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, क्षेत्रीय केंद्र रांची, रांची विश्वविद्यालय तथा केन्द्रीय विश्वविद्यालय झारखंड के सहयोग से जनजातीय विभाग, झारखंड केन्द्रीय विद्यालय ब्रांबे में लोक और जनजातीय कला की असामयिक परंपरा: अतीत, वर्तमान और भविष्य की सीमा विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें सहायक प्रोफेसर भारतीय शिल्प संस्थान जयपुर आदित्य कुमार झा व्याख्यान सत्र के मुख्य वक्ता रहे। अध्यक्षता डीन ट्राइबल स्टडीज केन्द्रीय विधालय झारखंड डॉ. रविंद्रनाथ शर्मा ने की। आदित्य कुमार झा ने अपने व्याख्यान में उन मुद्दों के बारे में चर्चा की जिनमें आधुनिक कला विद्यालयों और महाविद्यालयों में प्रचलित पारंपरिक कौशल विकास प्रक्रिया को तोड़ने की चुनौती दी जा रही है। नाटकीय और व्यावहारिक दृष्टिकोण से उन्होंने सभी आधुनिक कला स्कूलों में शैक्षिक पाठ्यक्रम में जनजातीय और लोक कला को शामिल करने के महत्व को समझाया।

# अतीत, वर्तमान-भविष्य की सीमा पर व्याख्यान

मांडर | प्रतिनिधि

श्लोक और जनजातीय कला की और असामयिक परंपरा अतीत, वर्तमान और भविष्य की सीमा पर एक व्याख्यान का आयोजन ग्राम ब्राम्बे स्थित सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में बुधवार को किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सेंट्रल यूनिवर्सिटी के अलावा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, क्षेत्रीय केंद्र रांची तथा रांची विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदित्य कुमार झा, सहायक प्रोफेसर भारतीय शिल्प संस्थान जयपुर थे। कार्यक्रम में मौजूद इंदिरा गांधी कला केंद्र के सदस्य, सचिव डॉ सच्चिदानंद जोशी ने केंद्र के उद्देश्यों के विषय में बताया। स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड एसथेटिक्स जेएनयू के पूर्व छात्र आदित्य कुमार झा ने कहा कि आधुनिक कला विद्यालयों और महाविद्यालयों में प्रचलित पारंपरिक कौशल विकास प्रक्रिया को तोड़ने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने नाटकीय और व्यावहारिक दृष्टिकोण से सभी आधुनिक कला स्कूलों में शैक्षिक पाठ्यक्रम में जनजातीय और लोक कला को शामिल करने के महत्व को भी समझाया। व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे सीयूजे के जनजातीय विभाग के डीन डॉ रवींद्रनाथ शर्मा ने इस व्याख्यान के आयोजन के लिए आईजीएनसीए के क्षेत्रीय शाखा रांची को धन्यवाद दिया और बताया कि हमारी कला धरोहर है इसे बचाए रखना हमारा कर्तव्य है।

इससे पूर्व कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों का संस्थान की ओर से स्वागत किया गया।

Hindustan Ranchi 15-08-2019

# IGNCA HOLDS LECTURE

Indira Gandhi National Centre for the Arts, Regional Centre Ranchi and Ranchi University in collaboration with Department of Tribal Studies, Central University of Jharkhand, organized a lecture on 'The Timeless Tradition of Folk and Tribal Arts: Past, Present and Future Scope' by Aditya Jha, Assistant Professor, Indian Institute of Craft and Design, Jaipur, Rajasthan. The programme was organised at CUJ under the supervision and guidance of Dr. Ajay Kumar Mishra, Regional Director, IGNCA, RCR and Prof. (Dr.) Rabindranath Sarma, Dean, Department of Tribal Studies, Central University of Jharkhand.

**Pioneer Ranchi 15-08-2019**

# कला को बचाने में युवा निभा रहे हैं अहम भूमिका

- 'लोक और जनजातीय कला की कालातीत परंपरा' पर व्याख्यान आयोजित

**संवाददाता** ▷ रांची

व्याख्यान देते अतिथि.

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, रांची शाखा और रांची विश्वविद्यालय द्वारा केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड (सीयूजे) के सहयोग से सीयूजे के जनजातीय विभाग में 'लोक और जनजातीय कला की कालातीत परंपरा : अतीत, वर्तमान और भविष्य की संभावना' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया. इस मौके पर मुख्य वक्ता, भारतीय शिल्प संस्थान जयपुर, राजस्थान में सहायक प्रोफेसर आदित्य कुमार झा ने उन विषयों की चर्चा की, जो ज्यादातर आधुनिक कला विद्यालयों व महाविद्यालयों की पारंपरिक कौशल विकास प्रक्रिया को चुनौती देने के लिए जरूरी हैं. उन्होंने सभी आधुनिक कला स्कूलों के शैक्षिक पाठ्यक्रम में जनजातीय व लोक कला को शामिल करने का महत्व समझाया और पारंपरिक कलाकृतियों के संरक्षण, अध्ययन व कायाकल्प के महत्व पर बल दिया. अध्यक्षता करते हुए डीन ट्राइबल स्टडीज, डॉ रवींद्रनाथ सरमा ने कहा कि हमारी कला ही हमारी धरोहर है. इसे बचाये रखना हमारा कर्तव्य है. आजकल के युवा इसे बचाये रखने में अहम भूमिका निभा रहे हैं. इससे पूर्व आइजीएनसीए के क्षेत्रीय निदेशक डॉ अजय कुमार मिश्र ने आइजीएनसीए के उद्देश्यों के बारे में बताया और जनजातीय कला, अनुसंधान व संवर्द्धन के लिए क्षेत्रीय शाखा रांची को बनाने के पीछे डॉ सच्चिदानंद जोशी की सोच को श्रेय दिया. उन्होंने ट्राइबल आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स विषय में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कोर्स के बारे में भी जानकारी दी. व्याख्यान में डॉ सुधांशु शेखर, डॉ सुजीत कुमार चौधरी, डॉ विक्रम जोरा, डॉ एम रामकृष्णा, डॉ देवव्रत सिंह मौजूद थे.